बनारस में शिप रिपेयरिंग सेंटर में अब बनाए जाएंगे नए जहाज

जासं, वाराणसी: देश में जल परिवहन को गति प्रदान करने के उद्देश्य से वाराणसी के रामनगर में शिप रिपेयरिंग सेंटर और यहां ही 200 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीमाडल लाजिस्टिक्स पार्क (फ्रेट विलेज) का निर्माण किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के भावनगर से इसका वर्चुअल शिलान्यास किया। शिप रिपेयरिंग सेंटर के निर्माण की लागत 325 करोड़ रुपये होगी। इस सेंटर का मुख्य उद्देश्य क्रूज, नौका और मालवाहक जहाजों के रखरखाव, मरम्मत तथा आधुनिकीकरण की सुविधाएं विकसित करना है। इससे कोलकाता और हावड़ा के शिपयार्डों पर निर्भरता को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। वर्तमान में यह सेंटर मुख्य रूप से पुरानी नौकाओं, क्रूज और मालवाहक जहाजों की मरम्मत के लिए उपयोग किया जाएगा, लेकिन भविष्य में यहां नए जलयान भी निर्मित किए जाएंगे। बड़े जलयानों के निर्माण में दो से तीन वर्ष का समय लगता है।

पीएम ने शिप रिपेयरिंग सेंटर व मल्टीमाडल लाजिस्टिक्स पार्क का वर्चुअल किया शिलान्यास

मल्टी माडल पार्क (फ्रेट विलेज) का स्वीकृत माडल ● स्रोत-आइडब्ल्यूएआइ

रामनगर में शिप रिपेयरिंग सुविधा की मांग लंबे समय से थी, क्योंकि बनारस से बलिया के बीच लगभग डेढ़ दर्जन क्रूज का संचालन होता है। साथ ही 500 से अधिक छोटी-बड़ी नौकाएं चलती हैं। नियमों के अनुसार नदियों में संचालित होने वाले जलयानों और क्रूज की मरम्मत प्रत्येक चार वर्ष में अनिवार्य है। प्रतिवर्ष सर्विस सर्टिफिकेट प्राप्त करना होता है। जलयान की मरम्मत में तीन से चार माह का समय लगता है और 18 से 20 लाख रुपये तक खर्च आता है। मरम्मत रामनगर में होगी तो मल्टीमाडल टर्मिनल की आय में वृद्धि होने के साथ समय की बचत भी होगी। आइडब्ल्यूएआइ के निदेशक संजीव कुमार ने बताया कि क्रूज, जलयानों की मरम्मत के लिए ड्राई डाक तकनीक का उपयोग किया जाता है। ड्राई डाक पर एक साथ चार से पांच जहाज खड़े हो सकते हैं, क्योंकि जहाज पानी के नीचे एक मीटर से अधिक गहराई पर ही स्थित होते हैं। ड्राई डाक पानी के किनारे स्थित आयताकार बेसिन होता है। जलयान को इसमें खड़ा करने के बाद पंप से पानी निकाल दिया जाता है, जिससे सूखी सतह पर जहाज की मरम्मत हो सके। यहां चार आयताकार ड्राई डाक होंगे। इस प्रकार का शिपिंग रिपेयरिंग सेंटर पटना में भी निर्माणाधीन है। रामनगर का मल्टीमाडल लाजिस्टिक्स पार्क राष्ट्रीय जलमार्ग-एक के जरिये प्रयागराज से कोलकाता- हल्दिया तक जल परिवहन को बढ़ावा देगा। चंदौली स्थित जीवनाथपुर जंक्शन से टर्मिनल तक करीब 5.1 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन बिछाई जाएगी, जिससे माल परिवहन की गति और क्षमता बढ़ेगी।

वाराणसी के रामनगर में बनने जा रहे शिप रिपेयरिंग सेंटर का माडल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के भावनगर से इसका शिलान्यास किया ●